



Prime Minister Shri Narendra Modi greets Public Representatives on National Panchayati Raj Day

Prime Minister's written Message affirms that Strong Panchayats are the most vital link for Public Participation, Transparency & Inclusive Development

“Empowered Panchayats are key to realising the Vision of Viksit Bharat ”: Prof. S.P. Singh Baghel

Posted On: 24 APR 2026 7:19PM by PIB Delhi

The Ministry of Panchayati Raj organized a national event to observe National Panchayati Raj Day in New Delhi today, marking 33 years of the 73rd Constitutional Amendment Act, that accorded constitutional status to Panchayati Raj Institutions (PRIs) across India. Elected representatives of Gram Panchayats as well as officials from Haryana, Uttar Pradesh and Uttarakhand participated in the national event.

Prime Minister Shri Narendra Modi, greeted public representatives across the country on the occasion of Panchayati Raj Day. **"Your dedication to public service and service to the nation is truly inspiring for everyone"** Shri Modi remarked. Prime Minister's written message, was read out at the national event and widely disseminated to elected representatives and functionaries of PRIs and Rural Local Bodies across all States and Union Territories.



प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर देश भर में हो रहे कार्यक्रमों व राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार वितरण समारोह के आयोजन के बारे में जानकारी प्रसन्नता है। यह दिन हमारे देश में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत बनाने और ग्रामीण स्वशासन की भूमिका को सम्मान देने का अवसर है।

यह देखना सुखद है कि आज हमारी पंचायतें केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार विकास की दिशा तय कर रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आजीविका, जल संरक्षण और सामाजिक न्याय सहित हर क्षेत्र में उनकी भूमिका लगातार सशक्त हो रही है।

पिछले वर्षों में पंचायतों को अधिकार, संसाधन और आधुनिक तकनीक, तीनों स्तरों पर सशक्त किया गया है। सोलहवें वित्त आयोग द्वारा ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 4 लाख 35 हजार करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन किया गया है जो पंद्रहवें वित्त आयोग की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। यह राशि पंचायतों की कार्यक्षमता और आत्मनिर्भरता दोनों को बल देगी।

आज का भारत आत्मनिर्भर और सशक्त ग्राम व्यवस्था की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जहाँ हर गांव समृद्ध हो, हर नागरिक आत्मविश्वासी हो और हर निर्णय में जनभागीदारी सुनिश्चित हो। इस कड़ी में, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंचायतों के कार्य, योजनाएं और वित्तीय प्रबंधन अब अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और प्रभावी बन रहे हैं।

नारी शक्ति हमारे समाज की आधारशिला है, जो संबेदनशीलता, नेतृत्व और परिवर्तन की प्रेरणा का प्रतीक है। मुझे विशेष गर्व है कि देशभर में 14 लाख से अधिक महिला जनप्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। हमारी माताएं और बहनें न केवल पंचायतों का स्वरूप बदल रही हैं, बल्कि समाज की सोच को भी नया आयाम दे रही हैं।

पीएम स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार मिला है जिससे सशक्तिकरण के अनेक रास्ते खुल जाते हैं। देश के लगभग 3 लाख 30 हजार गांवों में सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और 3 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। यह पहल भूमि विवादों को कम करने और अनावश्यक कोर्ट-कचहरी के संशयों से राहत दिलाने में एक बड़ी भूमिका निभाएगी।

1/2



पंचायतों की आर्थिक मजबूती इस पूरे तंत्र का आधार है। यदि पंचायतें अपने राजस्व संग्रहण की शक्तियों का प्रभावी, पारदर्शी और नवाचारपूर्ण उपयोग करें, तो वे न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती हैं, बल्कि स्थानीय विकास योजनाओं को भी गति दे सकती हैं। आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत के निर्माण में ठोस कदम साबित होंगी।

इसके साथ ही, स्थानीय संसाधनों का सतत, संतुलित व पर्यावरण अनुकूल दोहन और महिलाओं व युवाओं की सक्रिय भागीदारी पंचायतों को अधिक प्रभावी बना सकती है। जब निर्णय गांव के लोगों की भागीदारी से लिए जाएंगे, तब विकास न केवल जल्दी होगा, बल्कि वह अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ भी होगा।

जब हमारे गांव सशक्त और आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी हमारा राष्ट्र वास्तविक अर्थों में नई ऊंचाइयों को छू सकेगा। मजबूत पंचायतें न केवल स्थानीय प्रशासन की रीढ़ होती हैं, बल्कि वे जनभागीदारी, पारदर्शिता और समावेशी विकास की सबसे अहम कड़ी भी हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित सभी पंचायतों से जुड़े लोगों को हार्दिक बधाई। यह पहल अन्य पंचायतों को भी लोक कल्याण व प्रगति के लिए कार्य करने को प्रेरित करेगी।

आइए, हम सब मिलकर ऐसी सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक पंचायतों के निर्माण का संकल्प लें, जो गांवों को समृद्ध बनाकर राष्ट्र को नई गति और नवीन ऊर्जा प्रदान करें।

आप सभी को भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
वैशाख 02, शक संवत् 1948
22 अप्रैल 2026

2/2

पंचायती राज दिवस के अवसर पर देशभर के जनप्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन! जनसेवा के साथ राष्ट्रसेवा के प्रति आप सभी का समर्पण हर किसी को प्रेरित करने वाला है।

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्।

नात्मप्रियं प्रियं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं प्रियम्॥ pic.twitter.com/gb0K3Rr709

— Narendra Modi (@narendramodi) April 24, 2026

Union Minister of State for Panchayati Raj Prof. S. P. Singh Baghel addressed the gathering and reaffirmed that PRIs form the backbone of India's sustainable development in rural areas. He stressed that empowering Panchayats is central to realising the vision of Viksit Bharat, rooted in the development of villages, farmers and local communities. **While highlighting the positive impact of capacity building programmes, he stated that it has led to visible transformation in leadership and decision-making among elected representatives, particularly women.** He also commended the role of transparent governance mechanisms and direct benefit transfers in strengthening service delivery at the grassroots level. Prof. Baghel called upon all Panchayat representatives to uphold the values of service, integrity, and development-oriented leadership, and expressed confidence that a strong Panchayati Raj system is the surest foundation for a self-reliant India.



Shri Vivek Bharadwaj, Secretary, Ministry of Panchayati Raj highlighted the significant financial empowerment of Rural Local Bodies through the recommendations of the Sixteenth Finance Commission. He noted that the recommended grant represents an increase of nearly 84 per cent over the allocations under the Fifteenth Finance Commission, reflecting a decisive strengthening of fiscal federalism in favour of the third tier of government. Shri Bharadwaj elaborated on the 80:20 ratio between Basic Grants and Performance Grants, that balances assured resource flows with incentives for improved own-source revenue mobilisation, financial discipline and quality of local governance. **He drew attention to the Performance Grant provision recommended by the 16th Finance Commission i.e. linked to mobilization of Own Sources of Revenue by the Panchayats and called upon PRIs to take concrete steps to mobilize and augment their own Sources of Revenue to get Performance Grants.**

Additional Secretary, Ministry of Panchayati Raj Shri Sushil Kumar Lohani reflected on three decades of Panchayati Raj since the 73rd Amendment, emphasising the role of structured capacity building, training programmes and exposure visits in strengthening local leadership. He highlighted the contribution of digital platforms such as e-GramSwaraj, SabhaSaar in advancing efficiency, transparency and accountability while encouraging greater participation in Gram Sabhas to deepen self-reliant governance.

On this occasion, the **Panchayat Advancement Index (PAI) 2.0 Report for FY 2023-24** was released. PAI is India's first nationwide data-driven framework to assess Gram Panchayat performance across nine themes under Localisation of Sustainable Development Goals (LSDGs). A significantly refined version of its predecessor, PAI 2.0 has rationalised indicators from 516 to 150 and recorded an exceptional participation of 97.30 per cent of Gram Panchayats across 33 States and Union Territories, a marked improvement over the 80.79 per cent achieved under PAI Version 1.0. The Index serves as a key tool for evidence-based planning, performance monitoring, and incentivisation of Panchayats, directly advancing the vision of Viksit Panchayats steering towards Viksit Bharat. During the event, three illustrated publications under the Panchayat Dharohar Initiative were also released, comprising a **Monograph on Rural Heritage of Tripura**, a **Monograph on Rural Heritage of Tirupati**, and **'Uttarkashi: Saumya Kashi: The Soul of Himalayan Heritage'**. Panchayati Raj Diwas was observed nationwide at State, District, Block and Gram Panchayat levels with Gram Sabhas being held, reaffirming the spirit of participatory democracy.



Aditi Agrawal

(Release ID: 2255398) Visitor Counter : 416

Read this release in: Urdu , Marathi , हिन्दी , Bengali , Gujarati , Telugu